राज के प्रमुख वाद्य यंत्र

तत् वाद्य यंत्र → जो तार से बना होगा

अवनद्ध वाद्य यंत्र → चमड़े की खाल से बना

घन वाद्य यंत्र → धातु से बना हुआ

सुषिर वाद्य यंत्र → फूक से बजने वाला

↳ सर्वाधिक प्रयोग → लगा मांगनीयार जाति

तत् वाद्य यन्त्र

↳ भूत का इशारा इर सू बौली पा के गुजन्ची

भ → भपंग
त - तम्बुरा
का → कामायन्चा
इ → इकतारा
शा → शारंगी
रा → रावण हत्था

डु - डुकाका
र - रबाब
र - रबाब
सु → सुरिन्दा
बौली → बौली
पा → पावरी

कै - कैमरा
गु → गुजरी
ज - जन्तर
चि → चिकारा

भपंग : जादुगर → जुहुर खा मेवाती, उमर शेख मेवाती
↳ अलवर मे सर्वाधिक

तम्बुरा | तन्दुरा → इसके चार तार
↳ अंगुली मे बिजराव पहनकर बजाया जाता है

कामायचा → जादुगर → कमल साकर खॉ
↳ 27 तार

इकतारा → एकतार < मीरा बाई, नारद

सारंगी → तत् वाद्यो मे सर्वश्रेष्ठ
→ 27 तार होते है।
→ घोड़े की पूछ के बाल भी होते है

रावण हत्था → राज का प्राचिनतम वाद्य यन्त्र
→ 9 तार
→ पाबूजी की फड़
रामदेवजी की फड़
डूंगर जी जवाहर जी

डुकाको → घुटनो के बीच दबाकर बजाया जाने वाला

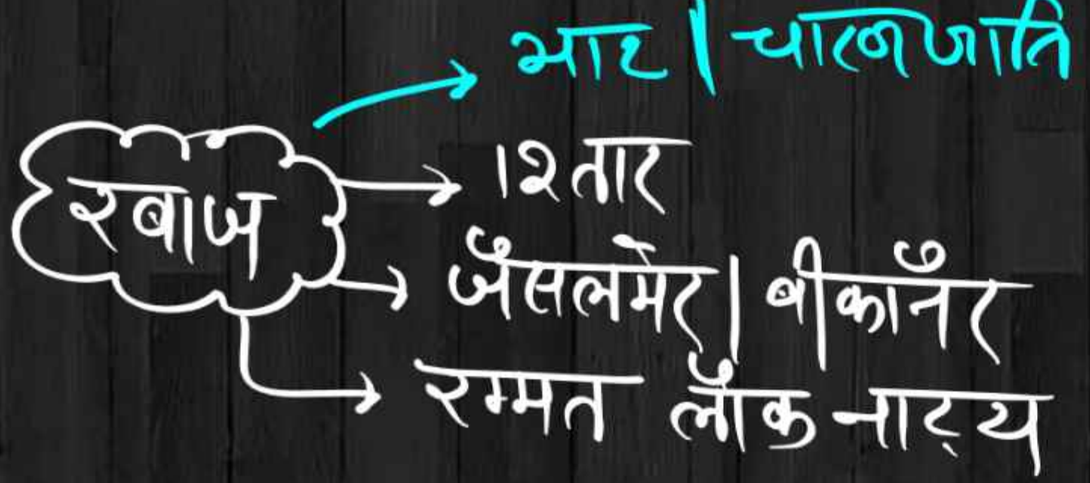

रबाज
- → भाट | चारणजाति
- → 12 तार
- → जैसलमेर | बीकानेर
- → रम्मत लोकनाट्य

रबाब
- → 5 तार
- → अलवर | भरतपुर, टोंक

सुरमण्डल → कोकिलावीणा | कोकिलावादन

बोली

पावटी → C आकार

जन्तर → मगरमच्छ की खाल से बना होता है

→ 7 तार होते है

→ गुर्जर जाति के भोपे देवनारायण जी की फड़ का वाचन करते समय

सुषिर वाद्य यंत्र :→ फूंक से बजने वाले

Trick → पुरब के मौसम मे सुबह मे सून बाअसना

पु → पुंगी
र → रणभेरी
ब → बांसुरी
के → करणा
मौ → मोरचंग
स → सतारा
म → मसक
सु → सुरनाई
ह → हरनाई
मु → मुरली
न → नड़
बा → बाकिया
अ → अलगोजा
श → शहनाई
ना → नागफणी

पुंगी → कालबेलिया जाति
→ 3 छेद
→ 9 छेद

रणभेरी | बुगल → युद्ध के समय बजाया जाने वाला

mean

बांसुरी → बांस की बनी होती है।
→ 5 छेद वाली → पावला
7 छेद → रौला

वादक < हरिप्रसाद चौरसिया
भीमसेन जोशी

करणा → पीतल का बना होता है।
↳ मन्दिरों में प्रयोग सर्वाधिक → पाली

मोरचंग → मुह में दबाकर बजाया जाने वाला वाद्य

सतारा

मशक → जादूगर → श्रवण कुमार
↳ बगल में दबाकर बजाया जाता है

शुरनाई → मांगलिक अवसरों पर वादक → पैम्मे खाँ

मुरली | मुरला

नड़ → वादक → करना भील

→ बाकियां →

→ अलगोंजा : राज्य का राज्य वाद्य यंत्र

↳ नाक से बजाने वाले कलाकार → रामनाथ चौधरी

↳ पदमपुरा गांव जयपुर

शहनाई → 8 छेद होते हैं
↳ मांगलिक अवसरों पर
↳ वादक → बिस्मिल्लाह खां / चान्द मोहम्मद

नागफनी

शंख → मन्दिर
तारपी, तुरही सिंगी

अवनद्ध वाद्य : चमड़े से बना वाद्ययंत्र

TRICK → मैंती मान (ढोल) (डमरू) पर नाच कूद

मृदंग :→ पखावज भी कहते है (शवल जाति)

→ कलाकार → पुरषोंतम दास

मांदल → शिव | पार्वती का गुणगान के समय

→ मोलेला गांव मे तैयार

डेरू → गाँगा जी के भक्तजन

डमरू → शिवजी का वाद्ययंत्र

बम → कड़ाही के आकार

ताशा → मुस्लमानो द्वारा ताजिये निकालते समय

मार → मटके के उपर चमड़ा मढ़ा होता है।

↳ पाबूजी के पवाड़े गाते समय

घन वाद्य यंत्र :

→ मंजीरा – चरी व झालर है।

मंजिरा → धातु से बना होता है → मन्दिर | जागरण | सत्संग

झांझ → मंजीरे से बड़ा होता है।

चंग

खरताल — खरताल के जादुगर → सदिक खाँ मागणीयार

करताल

झालर

रमझोल < पैर का आभूषण / वाद्य यंत्र

श्रीमण्डल → चान्दनुमा आकृति

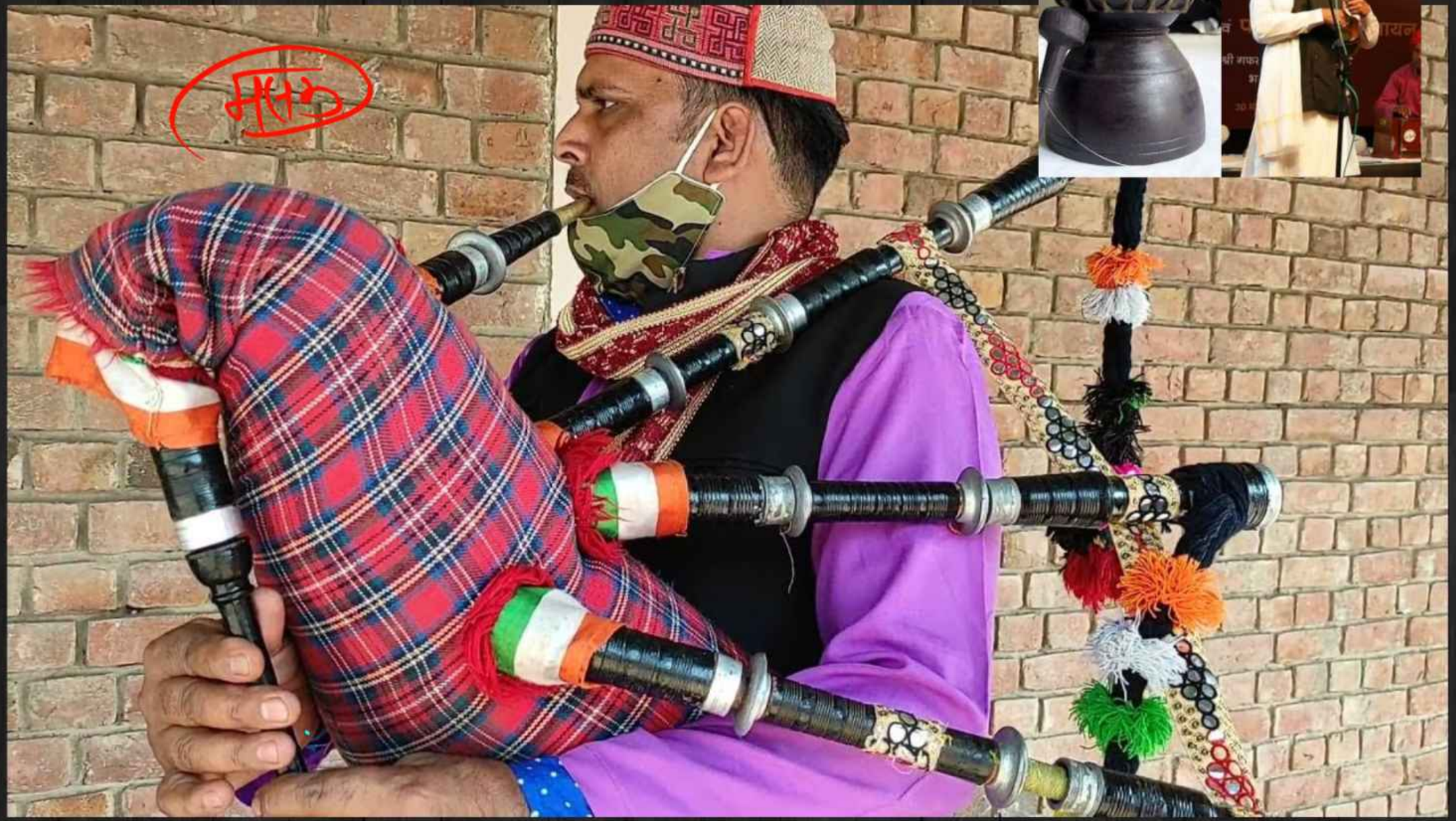

डमरू

तबला

हारमोनियम

ढोलक

मंजीरा

रावण हत्था
वाद्य यंत्र

सुषिर वाद्य यंत्र

फूंक से बजाए जाने वाले सुषिर वाद्य यंत्र